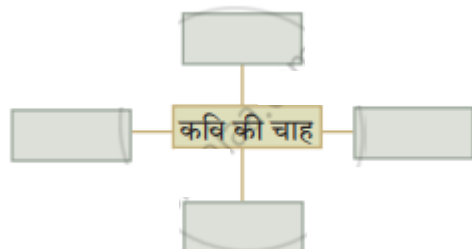


कृषक का गान

स्वाध्याय [PAGE 50]

स्वाध्याय | Q (१) | Page 50

संजाल पूर्ण कीजिए :

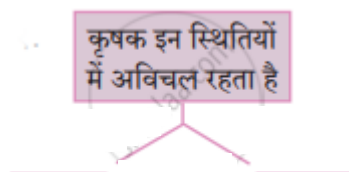


Solution: कवि की चाह

1. कृषक की संतोष की भावना और अभिमा पर मान करना
2. मनुजता के ध्वज के नीचे कृषक का आह्वान करना

स्वाध्याय | Q (२) १. | Page 50

कृतियाँ पूर्ण कीजिए :

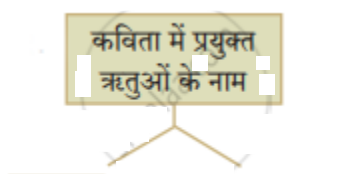


Solution: कृषक इन स्थितियों में अविचल रहता है

1. पतझड़
2. धूप

स्वाध्याय | Q (२) २. | Page 50

कृतियाँ पूर्ण कीजिए :



Solution: कविता में प्रयुक्त ऋतुओं के नाम

1. मधुमास
2. पटझर

स्वाध्याय | Q (३) १. | Page 50

वाक्य पूर्ण कीजिए :

कृषक कमजोर शरीर को

Solution: कृषक कमजोर शरीर को पत्तियों से पालता है।

स्वाध्याय | Q (३) २. | Page 50

वाक्य पूर्ण कीजिए :

कृषक बंजर जमीन को

Solution: कृषक बंजर जमीन को अपने खून से सींचकर उर्वरा बना देता है।

स्वाध्याय | Q (४) | Page 50

निम्नलिखित पंक्तियों में कवि के मन में कृषक के प्रति जागृत होने वाले भाव लिखिए :

	पंक्ति	भाव
१.	आज उसपर मान कर लूँ	
२.	आह्वान उसका आज कर लूँ	
३.	नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ	
४.	आज उसका ध्यान कर लूँ ।	

Solution:

	पंक्ति	भाव
१.	आज उसपर मान कर लूँ	अभिमान
२.	आह्वान उसका आज कर लूँ	मानवता
३.	नव सृष्टि का निर्माण कर लूँ	सृजनशीलता
४.	आज उसका ध्यान कर लूँ ।	आदर

स्वाध्याय | Q (५) | Page 50

कविता में आए इन शब्दों के लिए प्रयुक्त शब्द हैं :

1. निर्माता - _____
2. शरीर - _____
3. राक्षस - _____
4. मानव - _____

Solution:

1. निर्माता - सृजक
2. शरीर - तन
3. राक्षस - असुर
4. मानव - मनुजता

स्वाध्याय | Q (६) | Page 50

कविता की प्रथम चार पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ।
उस कृषक का गान कर लूँ।।

Solution: कृषक के अभावों की कोई सीमा नहीं है। परंतु वह संतोष रूपी धन के सहारे अपना जीवन व्यतीत कर रहा है। पूरे संसार में कैसा भी वसंत आए, कृषक के जीवन में सदैव पतझड़ ही बना रहता है। अर्थात् ऋतुएँ बदलती हैं, लोगों की परिस्थितियाँ बदलती हैं, परंतु कृषक के भाग्य में अभाव ही अभाव हैं। ऐसी दयनीय स्थिति के बावजूद उसे किसी से कुछ माँगना अच्छा नहीं लगता। वह हाथ फैलाना नहीं जानता। कृषक को अपनी दीन-हीन दशा पर भी नाज है। मैं ऐसे व्यक्ति पर अभिमान करना चाहता हूँ। कृषक के गीत गाना चाहता हूँ।

स्वाध्याय | Q (७) | Page 50

निम्न मुद्दों के आधार पर पद्य विश्लेषण कीजिए :

- रचनाकार कवि का नाम
- रचना का प्रकार
- पसंदीदा पंक्ति
- पसंदीदा होने का कारण
- रचना से प्राप्त प्रेणा

Solution:

- रचनाकार कवि का नाम - दिनेश भारद्वाज।
- रचना का प्रकार - गान।
- पसंदीदा पंक्ति - हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है।

- पसंदीदा होने का कारण - अनगिनत अभावों के होते हुए भी कृषक के पास संतोष रूपी धन है।
- रचना से प्राप्त प्रेणा - कृषक दिन-रात परिश्रम करके संपूर्ण सृष्टि का पालन करता है। हमें उसके परिश्रम के महत्त्व को समझना चाहिए। उसका सम्मान करना चाहिए।